यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार: 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2016–19/76/2017 **दिनांक :** 05.09.2017

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

आईडीबीआई बैंक के कर्मचारियों एवं अधिकारियों का वेतन पुनरीक्षण

जैसा कि आप सभी को ज्ञात ही है कि आईडीबीआई बैंक में कर्मचारियों एवं अधिकारियों का वेतन पुनरीक्षण 01.11.2012 से देय है और हड़तालों और आन्दोनात्मक कार्यक्रमों के बावजूद प्रबंधन की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं है। इस विषय में एआईबीईए तथा एआईबीओए ने आईडीबीआई बैंक के प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी को अपना संयुक्त पत्र दिनांक 04.09.2017 लिखा है जिसका अनूदित सार हम आपकी सूचना एवं संज्ञान हेतु नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

प्रति
प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी
आईडीबीआई बैंक लि0
मुम्बई।

प्रिय महोदय,

विषय : आईडीबीआई बैंक के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए अत्यन्त विलंबित वेतन पुनरीक्षण

हम यह अनुभव करते हुए अत्यन्त चिंतित हैं कि आपके प्रबंधन के साथ मुद्दे को बार–बार उठाने के बावजूद और कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा हड़ताल सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी नाराजगी प्रदर्शित करने के बावजूद जो कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए वेतन पुनरीक्षण को अंतिम रूप देने में अनुचित विलंब पर है जो, जैसा कि आप जानते हैं, 1.11.2012 से देय है। अन्य सभी बैंकों में, 01.11.2012 से वेतन पुनरीक्षण न केवल पूर्ण और लागू हो गया है, बल्कि नवम्बर 2017 से देय अगले वेतन पुनरीक्षण के लिए वार्ता भी प्रारम्भ हो गई है।

जारी पृष्ठ 2

हमारे सहयोगियों ने अत्यंत धैर्य और संयम दिखाया है और आईडीबीआई बैंक में वेतन पुनरीक्षण में तेजी लाने के लिए एक बहुत ही उचित दृष्टिकोण अपनाया है लेकिन हम यह मानने के लिए बाध्य हैं कि प्रबंधन का दृष्टिकोण, उदासीन, अनुचित, आकस्मिक और नकारात्मक रहा है।

हम सभी बैंक की बीमार वित्तीय परिस्थिति से परिचित हैं जो बैंक द्वारा संचित बड़े खराब ऋणों के कारण है। कारण और इसके लिए कौन जिम्मेदार है अच्छी तरह से ज्ञात है। प्रतिनिधियों को निदेशक मण्डल पर ले जाने और कार्यव्यवस्था को उलटने के बजाय, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कर्मचारियों को निराश और हतोत्साहित किया जा रहा है जिसमें उनका कोई दोष नहीं है।

हम यह इंगित करना चाहते हैं कि वेतन पुनरीक्षण निपटान में देरी की निरंतरता हमें अब और स्वीकार्य नहीं है क्योंकि हम चरम सीमा पर पहुंच गये हैं।

हम आपसे एक बार पुनः पूर्ण गंभीरता के साथ प्राथमिकता पर इस मुद्दे को उठाने और मामले को सौहार्दपूर्ण तरीके और शीघ्रता से हल करने का आग्रह करते हैं। हम आश्वस्त करते हैं कि हमारे सहयोगी आईबीए पैटर्न के अनुरूप आईडीबीआई बैंक को लाने के मुद्दे सहित इस सम्बन्ध में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

क्या प्रबंधन को इसे टालने, जल्दबाजी करने और मामले में और देरी करने का चयन करना चाहिए, कृपया ध्यान दें कि एआईबीईए तथा एआईबीओए को सम्पूर्ण उद्योग में सभी बैंकों के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों द्वारा हड़ताल सहित उद्योग–स्तरीय आन्दोलनात्मक कार्यक्रमों पर निर्णय लेने के लिए विवश होना पड़ेगा।

हमें यकीन है कि प्रबंधन बैंकिंग उद्योग में औद्योगिक सद्भाव के बड़े हित में हमें दीवार की ओर धकेलेने का प्रयास नहीं करेगा और तुरन्त समझौता तय करने के लिए आगे आयेगा।

सधन्यवाद,

आपके विश्वासपात्र,

ह0..
सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री

ह0..
एस. नागराजन
महामंत्री

प्रतिलिपि :

1. सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
2. अध्यक्ष, इण्डियन बैंक्स एसोसिएशन
3. मुख्य श्रम आयुक्त, नई दिल्ली